तापमान
अधिकतम 34.0 डिग्री
न्यूनतम 12.0 डिग्री

हरिभूमि
कोरबा भूमि

बिलासपुर, गुरुवार 17 अप्रैल 2025
[दीपका | कटघोरा | छुरी | पाली | करतला | पोड़ीउपरोड़ा]

4 पहली बार एसईसीएल के चारों एरिया में किया गया खदानबंदी आंदोलन

खबर संक्षेप

कोरबा, कुसमुंडा, गेवरा, दीपका के अधिकारियों का हुआ तबादला

कोरबा। सार्वजनिक क्षेत्र के वृहद उपक्रम कोल इंडिया के अधीन संचालित एसईसीएल बिलासपुर की कोरबा-पश्चिम क्षेत्र में स्थापित खुले मुहाने की गेवरा कोयला परियोजना अंतर्गत एसईसीएल की चारों मेगा परियोजना अंतर्गत अधिकारियों का थोक में तबादला कर दिया गया है। जिले के महाप्रबंधक दीपक पंड्या और कुसमुंडा महाप्रबंधक राजीव सिंह का स्थानांतरण कर दिया गया है।

तीर्थयात्रा का लाभ उठाने 25 तक कर सकते हैं आवेदन

कोरबा। मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना का शुभांरभ कर जिले के प्रथम तीर्थ यात्रा आगामी 7 से 10 मई तक प्रस्तावित है। जिन्हें बाबा बैजनाथ धाम, बजरंग बली मंदिर, अनुकूल ठाकुर सत्संग मंदिर की यात्रा प्रस्तावित है। जिले हेतु मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के तहत क्रमशः 338 व्यक्तियों को यात्रा पर भेजे जाने का लक्ष्य प्रदान किया गया है। लक्ष्य अनुसार तीर्थदर्शन यात्रा के लिए जिले के नगरीय निकाय एवं ग्रामीण क्षेत्र के लिए लक्ष्य निर्धारित किया गया है। शासन के निर्देशानुसार मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन यात्रा हेतु 75 प्रतिशत हितग्राही ग्रामीण क्षेत्र से तथा 25 प्रतिशत हितग्राही नगरीय क्षेत्र से चयनित किया जाएगा। जिसमें जनपद पंचायत कोरबा के 50, करतला से 50, कटघोरा से 42, पाली से 54, पोड़ी उपरोड़ा से 58, इसी प्रकार नगरीय निकाय क्षेत्रांतर्गत नगर पालिका निगम कोरबा से 50, नगर पालिका परिषद दीपका से 6, कटघोरा से 8, बांकीमोंगरा से 8, नगर पंचायत पाली व छुरीकला से 6-6 तीर्थयात्री षामिल है। कलेक्टर श्री अजीत वसंत द्वारा मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के क्रियान्वयन हेतु दिशा-निर्देश सभी जनपद पंचायतों एवं संबंधित नगरीय निकायों को प्रेषित कर आवश्यक प्रक्रिया शुरू किए जाने के निर्देश दिए गए हैं।

आरक्षित वर्ग कर्मचारी संघ ने चेयरमेन को सौंपा ज्ञापन

कोरबा। छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत मंडल आरक्षित वर्ग अधिकारी कर्मचारी संघ के प्रतिनिधि मंडल के द्वारा हसदेव ताप विद्युत गृह प्रशासनिक भवन कोरबा वेस्ट में 12 अप्रैल को अध्यक्ष छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत कंपनी से पदोन्नति में आरक्षण सुप्रीम कोर्ट के अंतरिम आदेश सुप्रीम कोर्ट नई दिल्ली के डायरेक्शन के तहत एवं अन्य प्रमुख मांग की ज्ञापन सौंपते हुए पदोन्नति सुप्रीम कोर्ट के आदेश के तहत देने की मांग की गई। प्रतिनिधि मंडल को अध्यक्ष के द्वारा इस संबंध में प्रतिनिधि मंडल को आश्वासन दिया गया है। ज्ञापन सौंपने वाले प्रतिनिधि मंडल में यूनियन के प्रांतीय महासचिव राजेश बंजारा, इकाई कोरबा वेस्ट अध्यक्ष वासुदेव राम भगत, इकाई कोरबा वेस्ट उपाध्यक्ष विद्या चरण बघेल, कमलेश ठाकुर, गायत्री महिलांग आदि उपस्थित रहे।

इंस्टाग्राम में फर्जी आईडी बनाकर युवती को बदनाम करने की कोशिश, जुर्म दर्ज

कोरबा। सिविल लाइन थाना क्षेत्र अंतर्गत एसएफ 541 सीएसईबी कॉलोनी एक 23 वर्षीरू युवती ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि वह दो साल से सेल्समेन का काम करती है। बजलपुर थाना बलौदा निवासी शुभम महंत पिता सम्पत महंत जो कि युवती के दीदी का भांजा है उसका घर में आना-जाना लगा रहता है। लगभग 3 वर्ष पहले शुभम के द्वारा युवती से शादी का बात किया गया, लेकिन युवती ने इंकार कर दिया। जिसके कारण अपने मन में द्वेष रखते हुए शुभम के द्वारा युवती को बदनाम करने की नीयत से फर्जी इंस्टाग्राम में आईडी बनाकर युवती के फोटो को पोस्ट कर अपशब्दों एवं अश्लील गाली गलौच लिखकर अन्य इंस्टाग्राम आईडी पर पोस्ट किया जा रहा है। साथ ही युवती के दीदी एवं जीजा का फोटो डालकर गाली गलौच एवं उनको जान से मारने की धमकी दिया जा रहा है। प्रार्थिया की रिपोर्ट पर पुलिस ने शुभम महंत के विरुद्ध अपराध पंजीबद्ध कर लिया है।

कोरबा से बनारस जा रहा था घूमने

तेज रफ्तार कार गड्ढे में उतरकर पेड़ से टकराई, लगी आग, जिंदा जला चालक

दुर्घटनाग्रस्त कार, जो जलकर हुई खाक एवं इंसेट में मृतक चालक।

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

तेज रफ़्तार कार के अनियंत्रित होकर पेड़ से टकराने के बाद कार में आग लग गई जिसकी चपेट में आने से एक अधेड़ व्यक्ति की जलकर मौत हो गई है। घटना 15-16 अप्रैल की दरमियानी रात तक़रीबन 2 बजे पसान थाना क्षेत्र के कारीमाटी घाटी में घटित हुई। मृतक कार सवार कोरबा का निवासी था वह अपनी कार से बनारस जाने निकला था। कार में आग लगने का कारण टक्कर के बाद कार में हुए शार्ट सर्किट को माना जा रहा है।

खास बात

- पसान थाना क्षेत्र के कारीमाटी घाटी में देर रात हुई घटना

जानकारी के अनुसार कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत सीतामणी रेलवे स्टेशन निवासी भुवन महंत 54 वर्ष पिता मोहर महंत पेशे से ट्रेलर चालक का काम करता है। भुवन महंत अपनी अल्टो कार क्रमांक सीजी 12 एवाय 6535 में सवार होकर अकेले ही बनारस घूमने जाने के लिए 4 दिन पूर्व घर से निकला था। सोमवार की देर रात लगभग 2 बजे के आसपास वह पसान थाना क्षेत्र अंतर्गत आने वाले कारीमाटी घाटी पर पहुंचा था कि उसकी तेज रफ्तार कार अचानक अनियंत्रित हो गई और एक गड्ढे में घुसते हुए सीधे पेड़ से टकरा गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार में आग लग गई और कार चंद मिनट में धू धू कर जलने लगी। जब तक कार सवार भुवन कार से बाहर निकल पाता कार पूरी तरह आग की चपेट में आ गई और भुवन भी उसकी चपेट में आ गया। जलने के कारण घटनास्थल पर ही भुवन की मौत हो गई। रात 2 बजे घटी इस घटना की जानकारी तड़के जब सड़क पर लोगों की आवाजाही शुरू हुई तो ग्रामीणों को ⏭ शेष पेज 3 पर

चार दिनों पूर्व निकला था घर से

पसान पुलिस ने बताया कार सवार मृतक भुवन महंत ट्रेलर चालक का काम करता है जो चार दिनों पूर्व अपने घर से बनारस जाने के नाम पर निकला था लेकिन वह सोमवार की रात पसान थाना क्षेत्र के कारीमाटी घाटी पर कैसे पहुंचा यह किसी को समझ नहीं आ रहा है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी गई है।

जिले में इससे पहले भी इस तरह की हो चुकी है कई घटनाएं

गर्मी के दिनों में हादसा होते ही वाहनों में आग लगने की घटनाएं जिले में पहले भी कई बार हो चुकी हैं। कुछ दिनों पूर्व ही कटघोरा-अंबिकापुर मुख्य मार्ग में इसी तरह की घटना घटी थी जिसमें कार में सवार दो लोग जिंदा जल गए थे। अक्सर गर्मी के दिनों में ही इस तरह की घटनाएं सामने आती है इसलिए गर्मी में वाहन चलाने के दौरान बहुत ही सावधानी बरतने की जरूरत होती है लेकिन लोग अपने गंतव्य तक जल्दी पहुंचने के चक्कर में रात के समय भी तेज एवं लापरवाहीपूर्वक वाहन चलाते हैं और हादसे के शिकार हो जाते हैं।

यार्ड में लगी आग, कैंपस में खड़े वाहन जल कर हुए खाक

सूर्य की तपिश तेज होते ही आग लगने का सिलसिला शुरु हो चुका है। जहां एक निजी कंपनी के यार्ड में आग लग जाने से यार्ड के कैंपस में खड़े चारपहिया वाहन व बाइक जल गए हैं जिससे संचालक को भारी नुकसान हुआ है। आगजनी की सूचना मिलने पर दमकल की टीम मौके पर पहुंची थी जहां किसी तरह आग को काबू किया गया। मामला सिविल लाइन थाना क्षेत्र के रिसदी स्थित केसीएन कंपनी का है। जहां बुधवार को कंपनी के यार्ड में भीषण आग लग गई। आग में 2 चारपहिया वाहन और कई बाइक जल कर खाक हो गए। कंपनी यार्ड से आग लगी वन विभाग की नर्सरी तक फैल गई। सूचना मिलते ही नगर सेना की तीन दमकल गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। दमकल कर्मियों ने घंटों की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। केसीएन कंपनी के मालिक मनोज कुमार ने बताया कि आग से लाखों रुपए का नुकसान हुआ है। उन्होंने वन विभाग पर लापरवाही का आरोप लगाया। उनका कहना है कि जंगल में आग लगने के बाद वन विभाग की टीम मौके पर नहीं पहुंची और न ही समय पर आग पर काबू पाया गया। आगजनी में यार्ड में खड़ी गाड़ियां भी जल गई। नगर सेवा के प्रभारी पी बी सिदार ने बताया कि सूचना मिलते ही वे खुद मौके पर पहुंचे और आग बुझाने का काम शुरू किया। यार्ड में खड़ी गाड़ियों के अलावा टायर भी आग की चपेट में आ गए। फिलहाल आग लगने के सटीक कारणों का पता नहीं चल पाया है।

अवैध वसूली, जांच में पुष्टि, एसपी ने टीआई व हेड कांस्टेबल को किया सस्पेंड

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

बांगो थाना प्रभारी के संरक्षण में पुलिस टीम वाहन चेकिंग और शराब पकड़ने के नाम पर अवैध वसूली कर रही थी। इसी धर-पकड़ में थाना प्रभारी ने एक जनप्रतिनिधि के रिश्तेदार को पैसों की अवैध वसूली के लिए घंटो थाने में बैठा दिया। मामले की शिकायत पुलिस अधीक्षक के कानों तक पहुंची तो उन्होंने मामले की जांच कराई तो वसूली का मामला सही पाया गया। जिस पर पुलिस अधीक्षक ने थाना प्रभारी व प्रधान आरक्षक को निलंबित कर दिया है।

खास बातें

- बांगो थाना का मामला, दुर्गेश वर्मा को बनाया गया नया प्रभारी
- साइबर सेल प्रभारी ने की थी शिकायत की जांच

पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ तिवारी को शिकायत मिली थी कि थाना प्रभारी बांगो निरीक्षक उषा सौंधिया के द्वारा वाहन चेकिंग व शराब पकड़ने के नाम पर अवैध वसूली किया जा रहा है व जनप्रतिनिधियों के साथ दुर्व्यव्हार किया जाना उल्लेखित था। शिकायत पत्र की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ तिवारी ने शिकायत पत्र की जांच का जिम्मा नगर पुलिस अधीक्षक रविन्द्र कुमार मीना को सौंपा गया था। जांच अधिकारी श्री मीना द्वारा जांच पर लिये गये कथनों के आधार पर सचिन कुमार मिश्रा से अनुचित तरीके से निरीक्षक उषा सोंधिया, थाना प्रभारी बांगो एवं प्र.आर. जितेन्द्र जायसवाल द्वारा 10 हजार 5 सौ रुपए लेना पाया गया। जांच में बांगो थाना प्रभारी उषा सोंधिया और प्रधान आरक्षक के खिलाफ अवैध वसूली के साक्ष्य मिलने के बाद एसपी ने दोनों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है और बांगो थाना का प्रभारी दुर्गेश वर्मा को बनाया गया है।

युवक के साथ मारपीट कर लूटपाट, मामला दर्ज

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

दर्री थाना क्षेत्र अंतर्गत साडा कालोनी निवासी विकास कुमार झा पिता प्रेम चन्द्र झा ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि 14 अप्रैल की रात वह कम्पनी के मेस से खाना खाकर कम्पनी के बाइक क्रमांक एमपी19 एमजे 7613 से अपने गेस्ट हाउस साडा कालोनी जा रहा था। तभी रास्ते में के. सीजन मार्ग केन्दईखार के पास रात लगभग 10.30 बजे सामने से दो मोटर साइकिल में तीन -चार अज्ञात व्यक्ति आये और विकास कुमार को डंडे से सिर में मारकर गिरा दिया और उसके जेब में रखे मोबाईल व मोटर साइकिल को लूट कर फरार हो गए। मामले की शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात लूटेरों के खिलाफ मामला पंजीबद्ध कर जांच शुरु कर दी है।

सौ से अधिक यूडीटी बनेंगे मिडिल स्कूल के प्रधानपाठक

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

जिले के सौ से अधिक यूडीटी जल्द ही मिडिल स्कल के प्रधानपाठक के पद पर पदोन्नत होंगे। मिडिल स्कूल में प्रधानपाठक के रिक्त पदों में पदोन्नति के लिए काउंसलिंग की प्रक्रिया बिलासपुर संभागीय मुख्यालय में आयोजित की जाएगी। इसके लिए शिक्षा विभाग ने समय सारणी जारी कर दी है।

खास बातें

- बिलासपुर संभागीय मुक्यालय में 23 अप्रैल से शुरू होगी काउंसिलिंग
- जिला शिक्षा विभाग ने जारी की समय सारणी

प्राथमिक स्कूल के प्रधानपाठक के पद पर पदोन्नति के साथ पदस्थापना के साथ काउंसलिंग की प्रक्रिया तीन माह पूर्व की गई थी। उसके बाद से मिडिल स्कूल प्रधानपाठक के पदोन्नति प्रक्रिया रुकी हुई थी जिसके लिए जिला शिक्षा विभाग से संभागीय मुख्यालय द्वारा यूडीटी की जानकारी मांगी गई थी जो पदोन्नति के दायरे में आ रहे थे। शिक्षा विभाग के द्वारा ऐसे यूडीटी की जानकारी संभागीय मुख्यालय को भेजी गई है जिसके अनुसार सौ से अधिक यूडीटी मिडिल स्कूल के प्रधानपाठक के पद पर पदोन्नत होंगे। दो दिन पूर्व स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा यूडीटी से मिडिल स्कूल प्रधानपाठक के पद पर पदोन्नति किए जाने के निर्देश दिए गए हैं। पदोन्नति के लिए काउंसलिंग की प्रक्रिया जिले में नहीं होगी। इसके लिए संभागीय मुख्यालय का स्थान तय किया गया है। जिसकी समय सारणी संभागीय मुख्यालय के द्वारा विभाग को जारी की गई है। इसके तहत 23 अप्रैल से संभागीय बिलासपुर मुख्यालय में काउंसलिंग की प्रक्रिया शुरु होगी। इसके लिए सुबह 10 बजे से 1 बजे तक तथा दोपहर 2 बजे से 2.30 बजे व 3 बजे से 3.30 बजे का समय निर्धारित किया गया है। शाम 5 बजे तक दोनों पालियों में काउंसलिंग की प्रक्रिया पूरी की जाएगी। 23 अप्रैल से शुरु होने वाली पदोन्नति व पदस्थापना काउंसलिंग 1 मई तक आयोजित की जाएगी।

दिव्यांग और महिला को पहली प्राथमिकता

काउंसलिंग में गंभीर रुप से बीमार लोगों के और दिव्यांग तथा महिलाओं को पहली प्राथमिकता दी जाएगी। दस्तावेजों के परीक्षण का समय सुबह 10 बजे से 1 बजे तक चलेगा और उसके बाद से काउंसलिंग की प्रक्रिया शुरु होगी। संभागीय मुख्यालय में काउंसलिंग होने की वजह से यहां के यूडीटी को संभागीय मुख्यालय पहुंचना पड़ेगा।

पंचायत सचिव की हड़ताल को एक माह हुए पूरे, ठप है जन्म-मृत्यु का पंजीयन

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

शासकीयकरण की मांग को लेकर पंचायत सचिव की हड़ताल को चलते हुए 17 अप्रैल को एक माह पूरे हो गए हैं। इस दौरान पंचायत के सभी विकास कार्य प्रभावित होने के साथ ही जन्म और मृत्यु के पंजीयन नहीं होने से पंचायतों के द्वारा जारी किए जाने वाले प्रमाण पत्र का काम भी बंद पड़ा हुआ है। रोजगार सहायकों को प्रभार दिए जाने के निर्देश के बावजूद भी हड़ताली सचिवों ने रिकार्ड नहीं सौंपा है।

एक माह से चल रही हड़ताल से नवनिर्वाचित सरपंचों को प्रभार तो मिल नहीं रहा अपितु जन्म मृत्यु का पंजीयन जैसा महत्वपूर्ण कार्य बंद पड़ा हुआ है। आम पक्षकार इसके लिए ग्राम पंचायत से लेकर जनपद पंचायत, जिला पंचायत का चक्कार काट रहे हैं। सबसे ज्यादा परेशानी मुख्यमार्गों में होने वाले सड़क हादसों में होने वाले मृत लोगों के परिजनों को होती है, जिनका पंजीयन उस पंचायत में होता है जिसके अंतर्गत घटना होती है। वर्तमान में जिले के उरगा, कटघोरा, पोड़ी उपरोड़ा, पाली जैसे क्षेत्रों में बड़े सड़क हादसे हुए हैं और मामले पुलिस में दर्ज हुए हैं किंतु घटना स्थल जिस पंचायत के अंतर्गत आता है वहां हादसे की सूचना दिए जाने का प्रावधान है। पंचायत सचिवों की हड़ताल की वजह से सड़क हादसों में मौत का शिकार होने वाले लोगों का पंजीयन संबंधित ग्राम पंचायतों में नहीं हो पा रहा। यही कारण है कि उनके परिजन शासकीय कार्यों के लिए आवश्यक माने गए मृत्यु प्रमाण पत्र जैसे दस्तावेजों के लिए भटक रहे हैं। इस परेशानी से घटना स्थल से संबंधित थाने के पुलिस कर्मियों को भी जूझना पड़ रहा है।

15 दिन के अंदर देनी होती है सूचना

जन्म मृत्यु के पंजीयन के लिए जारी किए गए दिशा निर्देश के तहत 15 दिन का समय निर्धारित किया गया है। किसी बालक के जन्म के 15 दिन के अंदर उसे संबंधित क्षेत्र के नगरीय निकाय और ग्राम पंचायत में पंजीयन कराना होता है। इसी तरह मृत्यु होने पर भी संबंधित नगरीय निकाय व ग्राम पंचायत में पंजीयन 15 दिन के अंदर कराना अनिवार्य है। पंचायत सचिवों की हड़ताल से बीते एक माह के दौरान जन्म मृत्यु का पंजीयन जिले के किसी भी 440 ग्राम पंचायतों में नहीं हुआ है।

नियम व शर्तें : 1. हर माह जन्मदिन उत्सव फॉरमेट प्रकाशित किया जायेगा। योजना में भाग लेने के लिए पाठकों को हरिभूमि में प्रकाशित फार्मेट को भरकर हरिभूमि कार्यालय, ब्यूरो कार्यालय या अपने एजेंट/एजेंसी के पास जमा कर सकते हैं। 2. हरिभूमि के नये एवं पुराने पाठक इसमें भाग ले सकते हैं, जन्मदिन के फार्मेट एक माह पहले मंगाये जायेंगे, उनके जन्मदिन पर उन्हें सुनिश्चित उपहार दिया जायेगा। 3. प्राप्त जन्मदिन के फार्मेट को एकत्रित कर महाबम्पर ड्रा में शामिल किया जायेगा जिसका ड्रॉ नवम्बर 2025 में किया जायेगा। 4. जन्मदिन फार्मेट के साथ आधार कार्ड या जन्म प्रमाण पत्र की छायाप्रति के साथ 3 माह अखबार का मासिक बिल लगाना अनिवार्य होगा। 5. जन्मदिन फार्मेट की फोटो कापी मान्य नहीं होगी। 6. राज्य सरकार एवं केन्द्र सरकार के सभी नियम लागू होंगे। इस योजना के विजेता को आयकर के नियम व शर्तें मान्य होगी। हरिभूमि निर्णायक मंडल का निर्णय अंतिम एवं सर्वमान्य होगा। किसी प्रकार के विवाद में न्यायालय क्षेत्र रायपुर होगा। हरिभूमि कर्मचारी, एजेंट व उनके परिवार के सदस्य इस योजना के पात्र नहीं हो सकते। 7. चित्र में दर्शाए गए उपहार भिन्न हो सकते है।

सात लाख की आबादी के लिए सिर्फ नौ दमकल

शहर में कहीं भी आगजनी की घटना हो जाए तो तंग गलियों में फायर ब्रिगेड का पहुंचना नामुमकिन है। दुकान और मकान को हद से आगे बढ़ाने की होड़ ने बाजार और बस्तियों के रास्ते संकरे किए हैं। गोल बाजार, सदर बाजार, शनिचरी बाजार ऐसे क्षेत्र हैं जो डेंजर जोन में हैं। यहां जरूरत पड़ने पर दमकल की असानी से नहीं जा सकते। सबसे गंभीर स्थिति कंवरराम कपड़ा बाजार, जूनी लाइन, मनिहारी गली शनिचरी बाजार, और शनिचरी सब्जी बाजार की है। दूसरी ओर लगातार बढ़ रहा शहर स्मार्ट सिटी भी बन गया है शहर लेकिन कुल सात लाख की आबादी के लिए केवल 9 दमकल ही हैं। शहरवासियों की सुरक्षा के लिए नगर निगम का एक मात्र फायर स्टेशन है, इसके संचालन के लिए मात्र 39 कर्मचारी हैं, जिसमें 3 प्रशिक्षित नगर सैनिक व 36 नगर निगम से संविलियन हैं और अप्रशिक्षित है। जो शहर के हिसाब से पर्याप्त नहीं है। कर्मचारियों के उम्र दराज होने के कारण आग बुझाने में हाथ पैर कांप जाते हैं, जिससे दिक्कतें बढ़ जाती है। शहर में बड़ी आगजनी की वारदात होने पर एसईसीएल, एनटीपीसी, वर्धा पावर प्लांट व पड़ोसी जिलों से दमकल की मदद लेनी पड़ती है। नियमानुसार शहर के सभी जोन में फायर स्टेशन व एक दमकल होना चाहिए, जिससे जिस क्षेत्र में आग लगे उस जोन की गाड़ी मौके पर पहुंच जाए और तत्काल आग पर काबू पाया जा सके। अभी अप्रैल के पंद्रह दिन ही बीते हैं। शहर का तापमान 40 डिग्री तक पहुंच चुका है, लेकिन भीषण गर्मी के अभी भी दो माह शेष हैं। शहर की तासीर बताती है, कि अधिकतम तापमान अभी 45 डिग्री के पार भी जाएगा। ऐसे में आगजनी की घटनाएं और बढ़ेंगी। आगजनी की घटनाएं रोकी तो नहीं जा सकतीं, लेकिन हमारे पास ऐसे और इतने संसाधन तो होने ही चाहिए, जिससे आग लगने के बाद उस पर जल्द से जल्द काबू पाया जा सके। बीते दिनों शहर में हुई आगजनी की घटनाओं में आग पर काबू पाते तक सब कुछ जल कर खाक हो जाना इस बात पर संदेह पैदा करता है कि क्या हम पूरी तरह तैयार हैं?

हरिभूमि न्यूज ⏭ बिलासपुर

तेलीपारा में सोमवार को प्रिंस नावेल्टी में लगी आग अभी ठंडी भी नहीं हुई थी कि मंगलवार को जूना बिलासपुर के इलेक्ट्रानिक्स बर्ड में आगजनी हो गई। आग लगने का यह सिलसिला बुधवार को भी कायम रहा और मंगला चौक स्थित एक फर्नीचर दुकान जलकर स्वाहा हो गई। शहर का चाहे जितना भी विस्तार हो जाए, लेकिन आज भी कई गली मोहल्ले ऐसे हैं, जहां आने-जाने की जगह चार से पांच फीट ही है। चांटीडीह, माता चौरा सरकंडा, चिंगराज पारा, मांडवा बस्ती, जगमल चौक, लिंकरोड के पास चंदवाभांठा ये ऐसे स्थान हैं, जहां आगजनी की घटनाओं पर काबू पाने बड़े दमकल तो दूर छोटे दमकल भी प्रवेश नहीं कर पाते। ऐसी हालत में फायर सेफ्टी विभाग को पाईप लाईन के जरिए आग पर काबू पाने मशक्कत करनी पड़ती है , जिसमें अनावश्यक विलंब होता है।

यह है हालात

स्मोक डिटेक्टर	स्थिति	फायर अलार्म	स्थिति	फायर फाइटर	स्थिति
भवन में स्मोकिंग जोन होना अनिवार्य है, साथ ही स्मोक डिटेक्टर होना चाहिए।	यह उपकरण 90 फीसदी भवनों में नहीं मिले, कमर्शियल भवनों में भी नहीं लगाए गए।	फायर अलार्म की जरूरत होती है, जिससे आगजनी पर अलार्म बजता है।	15 फीसदी भवनों में ही फायर अलार्म सिस्टम है, बाकी भवनों में अलार्म सिस्टम ही नहीं हैं।	भवनों में फायर के संबंध में फाइटर सिस्टम होना चाहिए ताकि फायर सिलेंडर से आग बुझाई जा सके।	20 फीसदी भवनों में ही उपकरण, कुछ जगहों पर एक्सपायरी डेट के सिलेंडर

9 गाड़ियों के लिए मात्र एक ड्राइवर

9 दमकल गाड़ियों को चलाने के लिए विभाग में मात्र एक प्रशिक्षित ड्राइवर है। वहीं अन्य गाड़ियों को कर्मचारियों के द्वारा चलाया जाता है। लंबे अरसे से फायर सेफ्टी डिपार्टमेंट में ड्राइवर पद की भर्ती नहीं हुई है। जबकि गर्मी के मौसम में दमकल गाड़ियों को 24 घण्टे दौड़ना होता है।

नगर पंचायत की दमकल नहीं आती शहर

शहर के अलावा चकरभाठा बोदरी, रतनपुर, कोटा, मल्हार नगर पंचायत में फायर स्टेशन है, जहां एक-एक दमकल है। जो केवल आग लगने पर अपने पंचायत क्षेत्र में जाते हैं। जरूरत पढ़ने पर भी डीजल के खपत को देखते हुए नगर पंचायत से दकमल शहर में नहीं भेजा जाता है।

रायपुर में हर साल खरीदी यहां नहीं

शहर के हिसाब से दमकल की बहुत कम है। होम गार्ड विभाग की ओर से एक दमकल की मांग करते हुए शासन को प्रस्ताव भेजा गया है, जो लंबित है। बताया जाता है रायपुर मुख्यालय में हर साल वाहनों की खरीददारी कर जरूरत के अनुसार अलग-अलग जिलों में वाहन उपलब्ध कराया जाता है।

यहां रहती है भीड़भाड़

शहर के सबसे पुराने बाजारों में गोल बाजार, सदर बाजार और शनिचरी बाजार है। यहां शहर समेत पूरे जिले से खरीदारी करने लोग आते हैं। शादी का सीजन हो सामान्य दिन यहां के सराफा और सब्जी बाजार, कपड़ा मार्केट, मनिहारी दुकानों में बड़ी संख्या में खरीदार आते हैं और इन सभी स्थानों पर पहुंचने के लिए मुख्य मार्ग ही एकमात्र रास्ता है। मुख्य मार्ग तक स्थिति ठीक है, लेकिन बाजार में पहुंचने के लिए आटो से पहुंचना भी मुश्किल है। इसके अलावा शहर के बीच बाजार बस्ती की तंग गलियां हैं जिनमें जरहाभाठा, चांटीडीह, दरबार लॉज गली, कतियापारा, मंझवापारा, तिफरा कुंदरापारा, जूना बिलासपुर, लिंक रोड स्थित चंदुवाभाठा डेंजरजोन में हैं। इन इलाकों में आने जाने के ठीक ठाक सड़क बनाने आज तक पहल नहीं हुई है।

घने बाजार और बस्तियों में ऐसे लगभग 100 संस्थान

शनिचरी बाजार और कंवरराम कपड़ा मार्केट में पहले कई बार आगजनी की घटनाएं हो चुकी हैं। यहां फायर ब्रिगेड के नहीं पहुंचने से आग पर काबू पाने में काफी समय लगा था। इसके साथ ही शनिचरी सब्जी मार्केट में करीब आधा दर्जन से अधिक बार आगजनी हो चुकी है, लेकिन यहां पहुंचने के लिए अब तक रास्तों को चौड़ा नहीं किया गया है। शहर के घने बाजार और बस्तियों में ऐसे लगभग 100 संस्थान हैं, जहां कपड़े, जूते-चप्पल, पटाखों या अन्य वस्तुओं का होलसेल कारोबार होता है। ऐसे संस्थानों में दो से ढाई सौ कर्मचारी काम करते हैं। लेकिन इस तरह की अनहोनी होने पर बचाव के पर्याप्त संसाधन उपलब्ध नहीं हैं। इन संस्थानों व बाजारों में दमकल के पहुंचने का रास्ता तक मिल पाना मुश्किल है। ऐसे बाजार व संस्थान एक तरह से बारूद के ढेर पर बैठे हुए हैं।

बारूद का ढेर 1 गोलबाजार : 500 से 700 सौ छोटे बड़े संस्थान हैं। इनमें कई संस्थान सकरी गलियों में भी हैं। ज्यादातर गलियों में अतिरिक्त कब्जा है। संस्थान मालिकों ने अपने विज्ञापन बोर्ड लगा रखे हैं। यदि कोई अनहोनी होती है तो यहां दमकल तक घुसना संभव नहीं है। तोडफ़ोड़ कर राहत कार्य कर पाना भी संभव नहीं।

बारूद का ढेर 2 नरेश बाजार कॉम्प्लेक्स : नरेश बाजार कॉम्प्लेक्स में भी कमोबेश ऐसे ही हालात हैं। यहां भी पचास से सौ छोटे-बड़े संस्थान हैं। आवागमन के लिए केवल एक ही रास्ता है। कारोबारियों ने पीछे के रास्ते पर कब्जा कर लिया है, यहां यदि कोई अनहोनी होती है तो जनधन का भारी नुकसान हो सकता है।

बारूद का ढेर 3 वृंदावन परिसर: तेलीपारा में ही वृंदावन व्यावसायिक परिसर में करीब 200-छोटे बड़े संस्थान हैं। यहां पार्किंग में भी दुकानें बनाने का मामला सामने आ चुका है। इतने बड़े परिसर में आवागमन के लिए केवल एक ही गेट है। किसी तरह की अनहोनी होने पर भागने तक के लिए जगह नहीं है। दमकल भी अंदर नहीं जा सकता।

बारूद का ढेर 4 श्रीराम कपड़ा मार्केट : निगम प्रशासन ने शहर में बड़े थोक कपड़ा मार्केट की परिकल्पना करके अग्रसेन चौक पर यह मार्केट बनाया लेकिन यहां भी आगजनी से निपटने के लिए ध्यान नहीं दिया गया। इस मार्केट पूर्व में आगजनी की घटना हो चुकी है। यहां निकलने का रास्ता नहीं मिलने पर जलने से एक व्यक्ति की मौत भी हो चुकी है। तब पता चला कि इस व्यावसायिक परिसर का रिहायशी उपयोग भी किया जा रहा है। यहां भी एक ही गेट है।

बारूद का ढेर 5 शनिचरी बाजार : संभाग के सबसे पुराने शनिचरी बाजार में सब्जी मंडी को छोड़ दें तो यहां 2000 से अधिक छोटी बड़ी दुकानें हैं। बेजा कब्जा की वजह से यहां की सड़कें गलियों में तब्दील हो गईं। एक साथ दो रिक्शे तक नहीं गुजर सकते तो दमकल के अंदर जाने का सवाल ही नहीं है। यहां भी पूर्व में हुई आगजनी के समय यह परेशानी सामने आ चुकी है लेकिन इसके बावजूद रास्ता सहज करने के लिए कोई प्रयास नहीं हुआ।

300 से अधिक इमारतों और काम्प्लेक्स में इंतजाम नहीं

शहर में सरकारी हो या निजी, ऊंची इमारतों में फायर सेफ्टी इंतजाम नहीं हैं। ज्यादातर भवनों में अग्निशमन उपकरण या तो लगे नही हैं और लगें तो कहीं पाइप गल गए हैं और कहीं सिलेंडर खाली हैं। पिछले 10 सालों में जिले सहित प्रदेश के अन्य हिस्सों में आगजनी की घटनाओं के बाद जिला प्रशासन द्वारा जांच दल का गठन जरूर किया गया, लेकिन किसी ने रिपोर्ट नहीं सौंपी। पिछले साल जब प्रशासन और निगम ने सर्वे कराया था तो 300 से अधिक इमारतों और काम्प्लेक्स में आग से बचने के इंतजाम नहीं पाए गए थे।

सिलेंडर एक्सपायर, पान गुटखे की पीक

अधिकांश सरकारी आफिसों में अग्निशमन यंत्र तो दीवारों पर लटका दिए, लेकिन इनकी रिफिलिंग समय पर बिल्कुल नहीं होती है और न ही कर्मचारियों को इससे संबंधित जानकारियां है। कलेक्टोरेट, जिला पंचायत, नगर निगम, वन विभाग, जिला परिवहन कार्यालय समेत शहर के निजी ऊंची बिल्डिंगों की पड़ताल की गई तो अधिकांश जगह अग्निशमन यंत्र के सिलेंडर एक्सपायर तो कहीं बाहर लटक रही बाल्टियों में रेत की बजाए पान-गुटखों की पीक और डिस्पोजेबल ग्लास कप पड़े मिले। ध्यान रहे की प्रशासन ने इसके लिए खास निर्देश जारी किया था।

चार साल में सेटअप ही स्वीकृत नहीं

फायर डिपार्टमेंट को निगम से चार वर्ष पहले गृह विभाग को दे दिया गया है, लेकिन इसके बाद से अब तक सेटअप ही तैयार नहीं कर पाए हैं। दरअसल फायर डिपार्टमेंट में स्टाफ की कमी है, इसकी वजह से इस तरह की समस्या हो रही है। इसकी भर्ती प्रक्रिया संचालनालय स्तर पर की जाती है। एनओसी को कुछ सेवाओं के लिए अनिवार्य तो किया गया है, इसकी आवेदन प्रक्रिया को सरल करने की दिशा में काम नहीं हो पा रह है। दूसरी ओर प्रशासन द्वारा सभी भवनों की जांच करने के लिए निर्देश तो जारी कर दिया है। साथ ही नया अस्पताल या फिर होटल खोलने के लिए भी इसे अनिवार्य कर दिया गया है।

बाजारों और बस्तियों के संकरे रास्ते डेंजर जोन में

उसलापुर ब्रिज के नीचे बसी घनी आबादी में दमकल पहुंचना लगभग नामुमकिन।

यह बंदोबस्त जरूरी

- पानी का टैंक होना चाहिए, इमारत के हिसाब से इसमें पानी का स्टोर किया जाता है
- बिल्डिंग के हर कोने में पानी पहुंचाने के लिए पाइप की फिटिंग होनी चाहिए
- आग बुझाने वाले गैस सिलेंडर होने चाहिए
- मंजिल पर पानी चढ़ाने को मोटर की व्यवस्था होनी चाहिए
- हर मंजिल पर फॉयर सेफ्टी स्प्रिंकलर लगे होने चाहिए
- 15 मीटर से ऊंची इमारत में लिफ्ट का प्रावधान जरूरी है
- सीढ़ियों की बनावट ऐसे हो, हादसे के दौरान लोगों को बाहर निकाला जा सके

स्मार्ट नहीं, सुरक्षित शहर चाहिए

- रोज हो रहीं आगजनी की घटनाएं
- आग पर काबू पाते तक सब जल कर खाक
- शहर की सुंदरता पर खर्च हुए स्मार्ट सिटी के 792 करोड़, पर सुरक्षा का क्या?

मार्च से लेकर मई तक के मौसम में आग लगने की घटनाएं बढ़ जाती हैं। इसलिए अग्नि दुर्घटनाओं से बचने एवं कम करने के लिए हरसंभव प्रयास करने के लिए निर्देशित किया गया है।

- **अवनीश शरण** कलेक्टर, बिलासपुर

समय-समय पर कर्मचारियों को भरनी स्थित ट्रेनिंग सेंटर में आग बुझाने का प्रशिक्षण दिया जाता है। जरूरत के हिसाब से नए दमकल वाहन की मांग कर प्रस्ताव शासन को भेजा गया है। कर्मचारियों की भर्ती प्रक्रिया चल रही है। उनके आने के बाद कर्मचारियों की कमी दूर हो जाएगी।

-**दीपांकुर सामुएल नाथ** जिला सेनानी एवं अग्निशमन अधिकारी नगर सेना

गर्मी में बिजली की खपत होती है ज्यादा

दरअसल भीषण गर्मी के चलते अस्पताल के साथ ही गेमिंग जोन सहित मॉल और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में आग लगने की आशंका बढ़ जाती है क्योंकि, गर्मी में बिजली की खपत बहुत होती है। ऐसे में पावर अप डाउन के समय शॉर्ट सर्किट होने की आशंका रहती है। जिसके कारण कई बार आग लग जाती है। इन हालातों से निपटने के लिए प्रशासन ने सभी जगहों पर फायर सेफ्टी सिस्टम को अपडेट करने के निर्देश दिए थे लेकिन हुआ कुछ नहीं।

जांच करने एक भी तकनीशियन नहीं

होटल व अस्पताल में फायर सेफ्टी की जांच के लिए जिले में स्टाफ ही नहीं है। वर्तमान में फायर डिपार्टमेंट के पास जितना भी अमला है, उनके भरोसे सिर्फ आग बुझाने का ही काम संभव हो पा रहा है, जबकि फायर की एनओसी लेने के लिए बकायदा ऑनलाइन आवेदन करवाया जा रहा है और इसके बाद भवन की जांच करने के लिए तकनीशियन भी बाहर से ही बुलाया जा रहा है जो कि दूसरे जिले से आ रहे हैं।

पुरानी वायरिंग व ओवरलोड शार्ट सर्किट की बड़ी वजह

आगजनी की ज्यादातर घटनाओं में शार्ट सर्किट ही मुख्य वजह होती है। भीषण गर्मी की वजह से पहले से ही तप रहे दुकान व मकानों में पुरानी वायरिंग और बिजली का ओवरलोड होना आगजनी की घटना को आमंत्रित करता है। विद्युत मंडल के अधीक्षण यंत्री पीआर साहू ने बताया कि आमतौर पर शार्ट सर्किट होने की दो मुख्य बड़ी वजह होती हैं। इसमें पहली वजह पुरानी वायरिंग है। पुरानी वायरिंग भीषण गर्मी में लगातार बिजली के उपयोग को बर्दाश्त नहीं कर पाती और वायर के ऊपरी लेयर पिघलकर आपस में चिपकने लगते हैं। इनके चिपकते ही शार्ट सर्किट हो जाती है। श्री साहू ने बताया कि मकान या दुकान बनाने के दौरान ही अपने उपयोग के बिजली उपकरणों की संभावित लिस्टिंग कर लोड का पता लगा लेना चाहिए। इसके बाद इसी के आधार पर उपयुक्त मोटाई वाले तारों से वायरिंग करनी चाहए। इतनी जागरूकता के बाद शार्ट सर्किट से काफी हद तक बचा जा सकता है।

सही सूचना मिले तो कभी नहीं होगा बड़ा नुकसान

फायर सेफ्टी आफिसर दीपांकुर नाथ ने बताया कि आगजनी से बड़े नुकसान के पीछे सही समय पर सही सूचना का न मिल पाना बड़ा कारण है। आगजनी की सूचना देते समय सूचनादाता यदि आगजनी वाले स्थान तक पहुंचने की सही चौड़ाई बता दे, तो विभाग पहले ही छोटे फायर टैंकर लेकर घटना स्थल पर पहुंचेगा। ऐसी सूचना नहीं मिलने की हालत में आमतौर पर बड़े दमकल ही भेजे जाते हैं, जिससे मौके पर रास्ता छोटा पाए जाने की हालत में पाईप लाईन खींच कर आग बुझाने का काम शुरू किया जाता है, लेकिन तब तक अनावश्यक विलंब होता है।

बेवरापारा के बाद अब बरगीडीह के महोरा में मिले डायरिया के 4 मरीज

अम्बिकापुर। लुंड्रा विकासखंड के ग्राम चिरगा बेवरापारा में फैले उल्टी दस्त को लेकर एक नई जानकारी सामने आई है। गांव में त्यौहार मानाने के दौरान हड़िया पीने से ग्रामीणों की तबीयत बिगड़ी और एक महिला की मौत होने के साथ ही 14 पहाड़ी ग्रामीण बीमार हो गए। वहीं अब विकासखंड के ग्राम महोरा में भी चार नए मरीज सामने आए है जिनका उपचार कराया जा रहा है।

बता दें कि विकासखंड लुंड्रा के चिरगा अंतर्गत ग्राम बेवरापारा में सोमवार की देर शाम कुछ मरीजों को उल्टी दस्त की शिकायत आई थी। गांव में ग्रामीणों को उल्टी दस्त होने की जानकारी मितानिन ने स्वास्थ्य विभाग को दी जिसके बाद देर रात से ही प्रभावित गांव में कैंप लगा दिया गया था। इस गांव में कुल 27 पहाड़ी कोरवा परिवार निवासरत है और गांव में डायरिया के कुल 14 मरीज सामने आए है। सभी डायरिया के मरीजों का उपचार सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र धौरपुर में किया जा रहा है जबकि इस दौरान एक महिला के मौत की पुष्टि भी हुई है। गाँव की 65 वर्षीया बिलासो की उल्टी दस्त से मौत हुई है।

अक्षत ने खुद ही दी थी अपनी हत्या की सुपारी, साथ लेकर आया था हथियार

हरिभूमि न्यूज ⏭ अम्बिकापुर

शहर के युवा व्यवसायी अक्षत केडिया हत्याकांड के मामले में आरोपी के नार्को, पॉलीग्राफ, ब्रेन मैपिंग टेस्ट की रिपोर्ट आ गई है। इस रिपोर्ट में आरोपी द्वारा पूर्व में दिए गए बयान की पुष्टि हो गई है। पुलिस के अनुसार मृतक अक्षत ने ही आरोपी संजीव मंडल को अपनी हत्या की सुपारी दी थी। मृतक ही अपने साथ हथियार लेकर आया, हत्या के लिए रूपए और गहने दिए। वहीं इस बात की भी पुष्टि हुई है कि घटना के समय घटना स्थल पर कोई तीसरा व्यक्ति मौजूद नहीं था। रिपोर्ट आने के बाद अब पुलिस द्वारा न्यायालय में चार्ज शीट पेश करने की बात कही जा रही है। बता दें कि पटपरिया निवासी अम्बिका स्टील के संचालक अक्षत केडिया के पुत्र अक्षत केडिया का शव 21 अगस्त 2024 को चठिरमा के जंगल में उसकी कार क्रमांक सीजी 10 बीएस 4184 से बरामद किया गया था। इस मामले में पुलिस ने भगवानपुर निवासी 29 वर्षीय संजीव मंडल उर्फ भानु को गिरफ्तार किया था। पुलिस को दिए गए बयान में आरोपी ने जो कुछ बताया उससे इस हत्या की गुत्थी सुलझने के बदले और भी उलझ गई थी।

मृतक अक्षत।

आरोपी संजीव।

- **ब्रेन मैपिंग, नार्को और पॉलीग्राफ टेस्ट की रिपोर्ट में हुई आरोपी के बयान की पुष्टि, जांच के लिए भेजा गया था गुजरात**

नहीं खुल पाया मोबाइल

पुलिस को घटना स्थल से मृतक अक्षत केडिया का मोबाइल फोन मिला था। पुलिस उम्मीद थी कि इस मोबाइल फोन के माध्यम से युवक के हत्या या खुद की सुपारी देने के कारणों का पता चल सकेगा लेकिन मृतक का मोबाइल आई फोन लॉक था। इस फोन से ही मैसेज का आदान प्रदान हुआ था और मैसेज इंस्टाग्राम के माध्यम से हुए थे और कुछ समय बाद मैसेज डिलीट हो गए। पुलिस द्वारा मृतक के मोबाइल का लॉक खोलने के लिए प्रयास किए जा रहे थे और इस हेतु एनाईए, सीबीआई से भी सम्पर्क किया गया लेकिन सभी प्रयासों के बाद भी पुलिस को इसमें सफलता नहीं मिल पाई।

दिए गए थे अलग अलग सवाल

दिसम्बर के महीने में आरोपी का गुजरात में ब्रेन मैपिंग, नार्को और पॉलीग्राफ टेस्ट कराया गया। तीनों टेस्ट अलग अलग तरीके से होते है और तीनों टेस्ट के लिए पुलिस ने संदेहों के आधार पर अपने सवाल बनाकर विशेषज्ञों को दिए थे। सरगुजा पुलिस द्वारा दिए गए सवालों के आधार पर ही आरोपी के ब्रेन मैपिंग, नार्को और पॉलीग्राफ टेस्ट हुए और अब लम्बे इतंजार के बाद इसकी रिपोर्ट आ गई है। पुलिस के अनुसार आरोपी द्वारा पूर्व में दिए गए बयानों की पुष्टि हो गई है। अब जो रिपोर्ट आई है उसके अनुसार मृतक अक्षत केडिया ने ही आरोपी संजीव मंडल को खुद के हत्या की सुपारी दी थी। अक्षत खुद हथियार लेकर घटना स्थल आया था जहां उसने उसे रूपए और सोने के गहने दिए और हत्या के लिए हथियार भी उपलब्ध कराया। हथियार में मौजूद कारतूस राऊंड भी अक्षत के ही थे। वहीं पुलिस यह भी पता लगा रही थी कि घटना स्थल पर कोई तीसरा व्यक्ति भी मौजूद था या नहीं और इसकी रिपोर्ट भी निगेटिव आई है। घटना स्थल पर मृतक और आरोपी के अलावा कोई तीसरा व्यक्ति नहीं था।

खबर संक्षेप

एसईसीएल कोरबा एरिया में मनाया गया अंबेडकर की 134वीं जयंती

कोरबा। एसईसीएल कोरबा क्षेत्र के महाप्रबंधक कार्यालय सभागार में संविधान निर्माता, भारत रत्न डॉ.भीमराव अंबेडकर जी की 134वीं जयंती समारोह कार्यक्रम के मुख्य अतिथि दीपक पांड्या, महाप्रबंधक कोरबा क्षेत्र, समस्त श्रमसंघ, सिस्टा, काउंसिल तथा क्षेत्रीय मुख्यालय के समस्त विभाग प्रमुखों कर्मचारियों की उपस्थिति में मनाई गई। एसईसीएल कोरबा क्षेत्र में 14 अप्रैल को महाप्रबंधक कार्यालय के सभागार में दीपक पांड्या, महाप्रबंधक कोरबा क्षेत्र की प्रमुख उपस्थिति में संविधान निर्माता, भारत रत्न डॉ.भीमराव अंबेडकर की 134वीं जयंती समारोह मनाया गया। सर्वप्रथम संविधान निर्माता डॉ.भीमराव अंबेडकर के छायाचित्र पर माल्यार्पण, दीप प्रज्वलित, पुष्प अर्पित कर जयंती समारोह कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। उसके पश्चात केपी सिंह, क्षेत्रीय कार्मिक प्रबंधक कोरबा ने अपने स्वागत उद्बोधन में उपस्थित क्षेत्रीय महाप्रबंधक, श्रम संघ प्रतिनिधि एवं विभाग प्रमुखों को बाबा साहब की जयंती पर शुभकामनाएं देते हुए बाबा साहब के जीवन परिचय का संक्षिप्त परिचय सदन के समक्ष प्रस्तुत किया। तत्पश्चात श्रम संघ एवं सिस्टा काउंसिल के सम्माननीय सदस्यों ने बाबा साहब की जीवनी पर प्रकाश डालते हुए उद्बोधन दिया। इसके पश्चात महाप्रबंधक दीपक पांड्या ने अपने उद्बोधन में सर्वप्रथम बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर को नमन करते हुए उपस्थित सभी का अभिवादन कर कहा कि बहुत ही सौभाग्य की बात है कि आज हम सब यहां विश्व के सर्वश्रेष्ठ महामानव, ज्ञान का प्रतीक माने जाने वाले भारत रत्न बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती समारोह मना रहे हैं। बाबा साहेब के बारे में बोलना, सूर्य को दीपक दिखाने जैसा है।

जवाली में मनाया गया अंबेडकर जयंती

कटघोरा। कटघोरा ब्लॉक अंतर्गत ग्राम पंचायत जवाली के अम्बेडकर चौक में संविधान डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती मनाया गया। जनपद पंचायत कटघोरा अध्यक्ष श्रीमती झूलबाई कंवर ने कहा कि डॉ. भीमराव अंबेडकर गरीब परिवार में जन्म लेकर उच्च शिक्षा प्राप्त करने तक बहुत से कठिनाइयों का सामना करते हुए अपने लक्ष्य की ओर आगे बढ़े, डॉ. अम्बेडकर को आज संविधान निर्माता के रूप में पूरे भारत देश मे जाना जाता है। इस अवसर पर गोविंद सिंह कंवर, दामोदर राठौर, कमल बेलदार, श्रवण सिंह तंवर, श्रीमति मीनू दिग्विजय सिंह, रामायण सिंह बिंझवार, सरपंच दिलेश कंवर, देवेंद्र देवांगन, खगेश कुमार निर्मलकर सहित अन्य उपस्थित थे।

ब्लॉक कांग्रेस कमेटी दीपका ने मनाई बाबा की जयंती

कोरबा। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी दीपका के तत्वावधान में भारतरत्न संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती के अवसर पर दीपका में श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत डॉ. अंबेडकर के छायाचित्र पर माल्यार्पण से हुई। सांसद प्रतिनिधि पोषक दास महंत ने अपने संबोधन में कहा कि डॉ. भीमराव अंबेडकर ने हमें जीने का मौलिक अधिकार दिया और समाज के हर वर्ग को समानता का अधिकार दिलाया। आज जब संविधान को कमजोर करने की कोशिशें हो रही हैं। वरिष्ठ कांग्रेस नेता सूरज दास मानिकपुरी ने कहा कि डॉ. अंबेडकर ने विश्व का सर्वश्रेष्ठ संविधान हमें प्रदान किया, जिसने भारत को एक मजबूत लोकतांत्रिक राष्ट्र के रूप में स्थापित किया। कार्यक्रम का सफल संचालन तनवीर अहमद ने किया तथा आभार प्रदर्शन ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष दिलीप सिंह द्वारा किया गया। कार्यक्रम में कांग्रेस नेता खगेश बरेठ, मोरेश्वर नागपुरे, ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष दिलीप सिंह, प्रदेश कांग्रेस सचिव तनवीर अहमद, सांसद प्रतिनिधि पोषक दास महंत, वरिष्ठ कांग्रेस नेता सूरज दास मानिकपुरी उपस्थित रहे।

पृष्ठ 9 का शेष

तेज रफ्तार...

लगी। ग्रामीणों ने तत्काल इसकी सूचना पसान पुलिस को दी जिसके बाद थाना प्रभारी दलबल सहित मौके पर पहुंचे। पुलिस ने पाया कि कार चला रहा भुवन कार के साथ जलकर पूरी तरह से खाक हो चुका था। सूचना मिलने पर फोरेंसिक एक्सपर्ट की टीम भी मौके पर पहुंची और मामले की बारीकी से जांच की। पुलिस ने कार के चेसिस नंबर के आधार पर परिजनों को इसकी सूचना दी। जिसके बाद परिजन वहां पहुंचे। युवराज महंत नामक युवक ने भुवन की पहचान अपने पिता के रूप में की है। मामले में पुलिस ने वैधानिक कार्रवाई कर शव को परिजनों के सुपुर्द कर दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है।

पालिका अध्यक्ष व नगर पालिका की टीम जुटी रही समाधान करने में

पांच दिन बाद नगर में जल संकट का हुआ समाधान, शुरु हुई जलापूर्ति

मोटर पंप में सुधार कार्य करते अधिकारी एवं कर्मचारी।

अधिकारियों को निर्देशित नगर पालिका अध्यक्ष राज राजयसवाल।

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटघोरा

नगर में बीते पांच दिनों से चल रहे जल संकट का अंत हो गया, जब नगरवासियों के घरों में पानी की आपूर्ति दोबारा शुरू हुई। भीषण गर्मी के बीच जल संकट ने आमजनजीवन को अस्त-व्यस्त कर दिया था, लेकिन अब जलापूर्ति बहाल होने से लोगों ने राहत की सांस ली है।

जल संकट की शुरुआत उस समय हुई जब नगर पालिका की मुख्य पाइप लाइन अचानक टूट गई। इस समस्या को ठीक करने की प्रक्रिया के दौरान पंप हाउस की तीन मोटरें भी जल गईं, जिससे स्थिति और गंभीर हो गई। जल आपूर्ति पूरी तरह से ठप हो गई और नगर पालिका क्षेत्र के सभी 15 वार्डों में 5 दिनों तक पानी की भारी किल्लत देखी गई। कटघोरा नगर पालिका अध्यक्ष राज जायसवाल और नगर पालिका के मुख्य नगर पालिका अधिकारी (सीएमओ) ज्ञानपुंज कुलमित्र ने स्वयं अपने सभी कर्मचारियों के सांथ मोर्चा संभाला। नगर पालिका की तकनीकी टीम के साथ दोनों अधिकारी पिछले 24 घंटे पंप हाउस में डटे रहे और दिन-रात लगातार काम करते हुए क्षतिग्रस्त पाइप लाइन की मरम्मत और मोटरों की मरम्मत या प्रतिस्थापन का कार्य पूरा किया। उनकी सतत निगरानी और प्रयासों का ही नतीजा है कि आज सुबह से जल आपूर्ति सुचारू रूप से शुरू हो सकी। कटघोरा नगर पालिका क्षेत्र में लगभग 70 प्रतिशत जनसंख्या जल संकट से प्रभावित थी। पानी की अनुपलब्धता के कारण लोगों को पीने के पानी से लेकर दैनिक जरूरतों तक के लिए भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। पानी की टंकियों से आपूर्ति भी नाकाफी रही और कई जगहों पर हाहाकार की स्थिति बन गई थी। स्थिति यहां तक पहुंच गई थी कि कई इलाकों में लोग पानी के टैंकरों का इंतजार करते दिखे। लेकिन जैसे ही आज सुबह से जल आपूर्ति बहाल हुई, नगरवासियों ने राहत की सांस ली। नगर पालिका के अधिकारियों के अनुसार, कटघोरा नगर पालिका परिषद के इतिहास में यह पहली बार था जब इतनी बड़ी जल संकट की स्थिति बनी, वह भी किसी प्राकृतिक आपदा के बिना।

कलेक्टर ने 16 राजस्व निरीक्षकों का किया स्थानांतरण

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

कलेक्टर अजीत वसंत ने प्रशासनिक व्यवस्था के दृष्टिकोण से जिले के समस्त राजस्व संबंधी कार्यो को सुचारू रूप से संपादन किए जाने हेतु अलग अलग तहसीलों में कार्यरत राजस्व निरीक्षकों को अन्यत्र तहसील के राजस्व निगम मंडलो में स्थानान्तरण किया है। जिसके अंतर्गत राजस्व निरीक्षक श्री आशीष सोनी को तहसील व राजस्व निरीक्षक मंडल पसान के साथ ही अतिरिक्त प्रभार जटगा का दायित्व सौंपा गया है। इसी प्रकार श्रीमती केसर चौहान को तहसील व राजस्व निरीक्षक मंडल बरपाली, कन्हैया लाल को पाली व अतिरिक्त प्रभार लाफा, श्रीमती करुणा मैत्री को भैंसमा तहसील व राजस्व निरीक्षक मंडल बरपाली (जिल्गा), वेदराम कौशिक को तहसील कोरबा, राजस्व निरीक्षक मंडल पाढ़ीमार व अतिरिक्त प्रभार दादरखुर्द, प्रवीण राजपूत को तहसील दर्री, राजस्व निरीक्षक मंडल अगारखार दर्री व अतिरिक्त प्रभार दुरपा, बल्गीखार, सुश्री रीना महिपाल को तहसील दर्री, राजस्व निरीक्षक मंडल डुमरमुड़ा दर्री व अतिरिक्त प्रभार गोपालपुर, जमनीपाली, पंडरीपानी, रंजीत भगत को तहसील पोड़ी उपरोड़ा, राजस्व निरीक्षक मंडल कोरबी व अतरिक्त प्रभार मोरगा, श्रीमती रजनी कश्यप को तहसील कटघोरा, राजस्व निरीक्षक मंडल घुड़देवा व अतिरिक्त प्रभार बांकी, नारायण प्रसाद बागरी को तहसील हरदीबाजार, राजस्व निरीक्षक मंडल हरदीबाजार व अतिरिक्त प्रभार तिवरता, नंद किशोर सिंह तहसील व राजस्व निरीक्षक मंडल अजगरबहार, मनीष कुमार जायसवाल तहसील पोड़ी उपरोड़ा, राजस्व निरीक्षक मंडल पोड़ी उपरोड़ा व अतिरिक्त प्रभार सुतर्रा, कमलेश साहू तहसील व राजस्व निरीक्षक मंडल कटघोरा, चक्रधर सिंह सिदार तहसील कटघोरा, राजस्व निरीक्षक मंडल जवाली व अतिरिक्त प्रभार मड़वाढोढ़ा, रविन्द्र कुमार जायसवाल को तहसील दीपका, राजस्व निरीक्षक मंडल बिरदा एवं अंजली पैंकरा को तहसील पाली व राजस्व निरीक्षक मंडल पोंड़ी का प्रभार सौंपा गया है।

हरदीबाजार पंचायत भवन में मनाई गई जयंती

हरदीबाजार। ग्राम पंचायत हरदीबाजार भवन में सोमवार को संविधान निर्माता बाबा साहब डाक्टर भीमराव अंबेडकर की जयंती मनाई गई। इस अवसर पर सरपंच लोकेश्वर कंवर ने बाबा साहब के तैल्य चित्र पर माल्यार्पण कर श्रीफल तोड़ कर पूजा-अर्चना किया । इस अवसर पर उपसरपंच श्रीमती रेखा रामू जायसवाल, इंद्रभूषण सिंह, मनमोहन खांडे,ममता ओग्र,राजेन्द्र जगत,श्याम रात्रे, गोपाल मरकाम, राजेश्वरी टंडन सहित अन्य उपस्थित थे।

आवास हितग्राहियों के सर्वे कार्य का उद्योग मंत्री ने किया शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण अंतर्गत स्थायी प्रतीक्षा सूची एवं आवास प्लस में छुटे हुए पात्र ग्रामीण परिवारों को लाभान्वित करने के लिए सर्वेक्षण का कार्य कराया जा रहा है। बुधवार को प्रधानमंत्री द्वारा आवास सर्वेक्षण एप्लिकेशन आवास प्लस 2.0 का शुभारंभ किया गया । 16 अप्रैल को कटघोरा विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत जेंजरा के भालूभदरा में प्रधानमंत्री आवास हितग्राही श्रीमती तीज़बाई पति इंद्रपाल सिंह व श्रीमती कचराबाई पति कार्तिक राम का सर्वे कार्य का शुभारंभ उद्योग, वाणिज्य व श्रममंत्री लखनलाल देवांगन कैबिनेट मंत्री द्वारा किया गया। सर्वे कार्य में प्रमुख रूप से ऐसे आवास हितग्राही जिनका कच्चा मकान हो, कोई शासकीय सेवा में न हो, पूर्व में आवास स्वीकृत न हुआ हो, 2.5 एकड़ से अधिक सिंचित भूमि न हो, कोई चार पहिया वाहन न हो साथ ही किसी भी प्रकार का आयकर दाता की श्रेणी में न हो इस सर्वे में पात्र होंगे। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ दिनेश कुमार नाग उपस्थित रहे। साथ ही जनपद पंचायत कटघोरा के अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी खगेश कुमार निर्मलकर, विकासखंड समन्वयक प्रधानमंत्री आवास योजना शालिनी कंवर, तकनीकी सहायक संगीता कंवर, सरपंच बजरंग सिंह बिंझवार, हरिश्चन्द्र कश्यप, आवास मित्र भूपेंद्र डिक्सेना सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित थे।

उद्योग मंत्री ने की मोर दुआर साय सरकार महाभियान शुरुआत

कोरबा। प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण अंतर्गत आवास प्लस 2.0 सर्वेक्षण के लिए प्रदेशव्यापी मोर दुआर.साय सरकार महाभियान के तहत वाणिज्य उद्योग व श्रम मंत्री लखनलाल देवांगन ने कटघोरा विधानसभा के ग्राम पंचायत जेंजरा में अभियान की शुरूआत करते हुए आवास हितग्राही श्रीमती कचरा बाई और श्रीमती तीज बाई के घर पहुंचकर स्वयं मोबाइल ऐप पर सर्वेक्षण किया। उन्होंने सर्वेक्षण कार्य समयबद्ध ढंग से पूर्ण कर हितग्राहियों को ज्यादा से ज्यादा लाभ दिलाने के निर्देश अधिकारियों को दिए। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ दिनेश कुमार नागए एडीओ खगेश निर्मलकरए सहित अन्य जनप्रतिनिधिए अधिकारी कर्मचारी एवं ग्रामवासी उपस्थित रहे।

भूविस्थापितों को दें रोजगार, मुआवजा

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

खास बात

- पूर्व मंत्री जयसिंह ने केन्द्रीय कोयला मंत्री को लिखा पत्र

जयसिंह।

पूर्व मंत्री जयसिंह अग्रवाल ने जिले में एसईसीएल की खदान विस्तार परियोजनाओं से प्रभावित भूविस्थापितों की पीड़ा को अवगत कराने कोयला मंत्री को पत्र लिखा है। श्री अग्रवाल ने कोयला खदानों में किए जा रहे उत्खनन कार्य अथवा विस्तार परियोजनाओं के लिए अधिग्रहण के लिए चिन्हित भूमि से प्रभावित होने वाले परिवारों को प्राथमिकता के आधार पर उचित मुआवजा, व्यवस्थापन व रोजगार प्रदान किए जाने की मांग की है।

पूर्व मंत्री श्री अग्रवाल ने पत्र में उल्लेख किया है कि विगत दिनों गेवरा विस्तार परियोजना में कोयला मंत्री का आगमन हुआ। कोयला उत्खनन से लेकर डिस्पैच तक की विभिन्न गतिविधियों का जायजा लिया। लक्ष्य हासिल करने की दिशा में उत्पन्न हो रहे गतिरोधों को दूर करने अनेक महत्वपूर्ण सुझाव भी उनके द्वारा दिया गया। एसईसीएल प्रबंधन के अधिकारियों ने वाहवाही लूटने के लिए केवल उजला पक्ष ही कोयला मंत्री के समक्ष रखा। गेवरा, दीपका, मानिकपुर कोरबा, कुसमुण्डा अथवा अन्य खदानों के लिए अधिग्रहित की गई भूमि के मूल किसानों व भू-स्वामियों में से जिन परिवारों को विस्थापित होना पड़ा है, आज तक उन्हें नियमानुसार व्यवस्थापन जैसे उचित मुआवजा, बसाहट के लिए बुनियादी सुविधाएं यथा सड़क, पानी, बिजली, चिकित्सा और बच्चों की शिक्षा के लिए स्कूल आदि के साथ ही योग्य युवाओं को सहयोगी की समस्या कम्पनियों के के आधारारिए यथा योग्य रोजगार उपलब्ध कराया जाए। ताकि उन परिवारों को किसी प्रकार के आंदोलन का सहारा न लेना पड़े। प्रबंधन की गैर जिम्मेदाराना कार्यशैली की वजह से ही भू-विस्थापित परिवारों को अनेक विसंगतियों का खामियाजा भुगतना पड़ता है।

श्री अग्रवाल ने कोयला मंत्री से आग्रह किया है कि वे व्यक्तिगत रूचि लेकर मानवीय संवेदना के तहत एक निर्धारित समय सीमा में विस्थापित हुए परिवारों की समस्याओं का समाधान करने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित करें। गेवरा, मानिकपुर कोरबा, कुसमुण्डा अथवा दीपका सहित जिले की कोयला खदानों में विस्तार कार्यक्रम के तहत अधिग्रहित की जाने वाली भूमि से प्रभावित होने वाले परिवारों को नियमानुसार समुचित व्यवस्थापन चरणबद्ध तरीके से यदि पहले ही कर दिया जाता है तो अंचल में एक सौहार्दपूर्ण औद्योगिक वातावरण बना रहेगा और भविष्य में पीड़ित परिवारों को किसी आंदोलन के लिए विवश नहीं होना पड़ेगा।

बालको ने ट्रांसजेंडर कर्मचारियों के लिए लागू की शिक्षा सहायता नीति

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

बालको ने ट्रांसजेंडर कर्मचारियों के लिए एक प्रगतिशील शिक्षा सहायता नीति लागू की। समावेशी कार्यस्थल को बढ़ावा देने की अपनी प्रतिबद्धता के अनुरूप कंपनी द्वारा उठाया गया यह कदम ट्रांसजेंडर कर्मचारियों को व्यावसायिक शिक्षा प्राप्त करने के लिए एक लाख रुपये तक की वित्तीय सहायता प्रदान करता है। इसका उद्देश्य शैक्षिक अंतर को कम करना और विकास के लिए नए रास्ते खोलना है।

बालको ने ट्रांसजेंडर कर्मचारियों के लिए एक प्रगतिशील शिक्षा सहायता नीति लागू की है। समावेशी कार्यस्थल को बढ़ावा देने की अपनी प्रतिबद्धता के अनुरूप कंपनी द्वारा उठाया गया यह कदम ट्रांसजेंडर कर्मचारियों को व्यावसायिक शिक्षा प्राप्त करने के लिए 1 लाख रुपये तक की वित्तीय सहायता प्रदान करता है। इसका उद्देश्य शैक्षिक अंतर को कम करना और विकास के लिए नए रास्ते खोलना है। शिक्षा सहायता योजना उन सभी ट्रांसजेंडर कर्मचारियों पर लागू है, जिन्होंने कम से कम 18 महीने की सेवा पूरी कर ली है। इस पहल के माध्यम से बालको इस विश्वास को सुदृढ़ करता है कि वास्तविक समावेशी वातावरण तभी संभव है जब सभी को सीखने और कौशल अर्जित करने के समान अवसर प्रदान किए जाएँ, ताकि वे पेशेवर और व्यक्तिगत दोनों स्तरों पर आगे बढ़ सकें। बालको के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं निदेशक राजेश कुमार ने कहा कि बालको में हम मानते हैं कि समावेशी संस्कृति केवल एक नीति नहीं है बल्कि एक मूल्य है, जहाँ लिंग पहचान की परवाह किए बिना सभी को सीखने, बढ़ने और नेतृत्व करने के समान अवसर मिलते हैं। अपने ट्रांसजेंडर कर्मियों को उनकी पेशेवर आकांक्षाओं को साकार करने में सहयोग कर, समावेशी कार्यस्थल के निर्माण के लिए कटिबद्ध हैं। बालको में सुरक्षाकर्मी के रूप में काम करने वाली व्यावसायिक भागीदार सुमन ने कहा कि मैं बालको में काम करके वास्तव में धन्य महसूस करती हूँ। यहीं पर मुझे लिंग पुनः निर्धारण नीति को चुनने का साहस और समर्थन मिला।

ईडी द्वारा कांग्रेस नेताओं को आरोपी बनाना लोकतांत्रिक विपक्ष के विचार पर सीधा हमला

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

खास बात

- जिला कांग्रेस कमेटी के शह व ग्रामीण अध्यक्ष ने जारी की संयुक्त प्रेस नोट

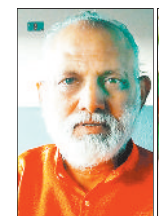

नत्थूलाल यादव।

मनोज चौहान।

जिला कांग्रेस कमेटी कोरबा के अध्यक्ष द्वय नत्थूलाल यादव एवं मनोज चौहान ने प्रेस नोट जारी कर कहा कि केन्द्र की मोदी सरकार द्वारा राजनैतिक विद्वेषवश सत्ता की ताकत का दुरुपयोग करते हुए ईडी जैसी संवैधानिक संस्थाओं का गलत इस्तेमाल कर देश के प्रमुख विपक्षी कांग्रेस पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती सोनिया गांधी एवं लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के साथ कांग्रेस के अन्य वरिष्ठ नेताओं का नाम प्रवर्तन निदेशालय द्वारा दाखिल आरोप पत्र में दर्ज किया है, यह लोकतांत्रिक विपक्ष के विचार पर सीधा हमला है, यह बदले की राजनीति है। पूर्व अध्यक्ष सपना चौहान ने कहा कि नेशनल हेराल्ड की सम्पत्तियों को जब्त करना, बदले की राजनीति है। नगर के नेता प्रतिपक्ष कृपाराम साहू ने बताया कि पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष सोनिया गांधी एवं नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के खिलाफ ईडी की चार्जशीट दाखिल करना एक मनगढ़ंत और झूठा ताना-बाना मात्र है, इसमें कोई सच्चाई नहीं है। इस केस को राजनीतिक प्रतिशोध की भावना से चलाया जा रहा है। पूर्व महापौर राजकिशोर प्रसाद, पूर्व सभापति श्याम सुंदर सोनी, प्रदेश कांग्रेस कार्यकारिणी सदस्य सुरेन्द्र प्रताप जायसवाल, प्रदेश सचिव बी.एन. सिंह, विकास सिंह, ब्लॉक अध्यक्ष संतोष राठौर, दुष्यंत शर्मा, राजेन्द्र तिवारी, बसंत चन्द्रा, सेवादल प्रमुख प्रदीप पुराणे, महिला कांग्रेस अध्यक्ष कुसुम द्विवेदी, युवा कांग्रेस अध्यक्ष राकेश पंकज, पार्षद मुकेश राठौर, सुकसागर निर्मलकर, सुभाष राठौर, रवि चंदेल, गीता गभेल, अनुज जायसवाल, बद्री किरण, नारायण कुर्रे, रामगोपाल कुर्रे सहित अन्य ने विरोध जताया।

प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना अंतर्गत मत्स्य कृषक को प्रदान किया पिकअप वाहन

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

वाणिज्य उद्योग एवं श्रम मंत्री लखनलाल देवांगन के हाथों प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना अंतर्गत जीवित मछली विक्रय हेतु जिले के मत्स्य कृषक प्रतीक आदिले को पिकअप वाहन प्रदाय किया गया। हितग्राही प्रतीक आदिले पुरानी बस्ती कोरबा के निवासी हैं। जिनके द्वारा आजीविका के साधन के रूप में मछली विक्रय कार्य को अपनाया गया एवं यही एकमात्र व्यवसाय विगत 8-10 वर्ष से करते आ रहे हैं। जिले के अलावा आसपास के जिलों में भी इनके द्वारा मछली विक्रय का कार्य किया जाता है। प्रतिदिन 1 से 2 टन मछली का विक्रय किया जा रहा है। मछली पालन विभाग की योजना के तहत उन्हें शासकीय अनुदान प्रदाय कर सहायता की गई है, जिससे उनके व्यापार में वृद्धि होगी एवं उनकी आजीविका सुदृढ़ होगी। इसके पूर्व उनके द्वारा वाहन किराये पर लेकर यह कार्य किया जाता था। अब शासन की सहायता से उनका स्वयं का वाहन हो जाने से आत्मनिर्भर हो गए है। इस अवसर पर मत्स्य विभाग के सहायक संचालक केके बघेल सहित विभाग के तकनीकी एवं मैदानी अमला उपस्थित थे।

HEALTH TOWN

अहलूवालिया हॉस्पिटल
नेमीचंद गली, रामसागर पारा, प्रभाट टॉकीज के पास, स्टेशन रोड रायपुर
0771-4050006, 81031 28515
डॉ. एस.के. अहलूवालिया M.B.B.S., DLO
डॉ. गौरव अहलूवालिया M.B.B.S., D.N.B.-ENT, M.N.A.M.S.

नाक,कान, गला विभाग
- सिर, मुख एवं गले का कैन्सर।
- ऑपरेशन द्वारा ईलाज
- नाक की प्लास्टिक सर्जरी

चक्कर की जॉच
एलर्जी

Dental & Consmetic Treatments
- टेड़े मेढ़े दांतो को सीधा करना
- दांतो की नसों का इलाज
- दांतों की सफाई व चमकाना
- दंत प्रत्यारोपण
- मुंह के कम खुलने का इलाज

(Hearing Aids) सुनाई मशीन

खबर संक्षेप

कॉलेज भवन के खाली कमरों को तोड़ने की हुई कार्रवाई

हरदीबाजार। एसईसीएल की दीपका परियोजना इन दिनों कोयले की भारी कमी से जूझ रही है। उत्पादन ठप होने की कगार पर है और अगर जल्द ही समाधान नहीं निकाला गया, तो खदानों का संचालन बंद होने की नौबत आ सकती है। जानकारी के अनुसार कोयला निकासी के लिए अब प्रबंधन के पास पर्याप्त भूमि उपलब्ध नहीं है। भूमि अधिग्रहण, मुआवजा वितरण और भोग-स्थापना की प्रक्रिया में हो रही देरी और लापरवाही इसका मुख्य कारण मानी जा रही है। पहले जिन मुद्दों को हल नहीं किया गया, अब वे गंभीर संकट का रूप ले चुके हैं। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए पाली कटघोरा एसडीएम, हरदी बाजार और दीपका तहसीलदार ने कॉलेज भवन के खाली कमरों को तोड़ने की कार्रवाई की।

कलेक्टर ने 16 राजस्व निरीक्षकों का किया स्थानांतरण

कोरबा। कलेक्टर अजीत वसंत ने प्रशासनिक व्यवस्था के दृष्टिकोण से जिले के समस्त राजस्व संबंधी कार्यो को सुचारू रूप से संपादन किए जाने हेतु अलग अलग तहसीलों में कार्यरत राजस्व निरीक्षकों को अन्यत्र तहसील के राजस्व निगम मंडलो में स्थानान्तरण किया है। जिसके अंतर्गत राजस्व निरीक्षक श्री आशीष सोनी को तहसील व राजस्व निरीक्षक मंडल पसान के साथ ही अतिरिक्त प्रभार जटगा का दायित्व सौंपा गया है।

तैलिक विकास समिति बालको वार्षिक स्नेह सम्मेलन संपन्न

बालको। तैलिक विकास समिति बालको नगर द्वारा वार्षिक स्नेह सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस वर्ष तैलिक विकास समिति का 50वां स्थापना वर्ष था जिसे स्वर्ण जयंती के रुप में मनाया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वाणिज्य उद्योग एवं श्रम मंत्री लखनलाल देवांगन उपस्थित रहे। श्री देवांगन ने कहा कि साहू समाज की जनसंख्या पूरे छत्तीसगढ़ में सर्वाधिक है और बेहद सेवाभावी है व दानशीलता के लिए पूरे देश में दानवीर भामाशाह का उदाहरण दिया जाता है ऐसे समाज में जन्म मिलना निश्चित रुप से सौभाग्य की बात है। उन्होंने 20 लाख रुपए की घोषणा किया साथ ही महिला साहू समाज को 20 हजार रुपए साउंड सिस्टम के लिए स्वीकृति दी। कार्यक्रम को महापौर संजूदेवी राजपूत ने भी संबोधित किया।

पेयजल की समस्या से निपटने नेता प्रतिपक्ष ने आयुक्त को लिखा पत्र

कोरबा। निगम के नेता प्रतिपक्ष कृपाराम साहू ने निगम आयुक्त को पत्र लिखकर प्राथमिकता के

आधार पर सभी 7 जोन क्षेत्रों में पानी उपलब्धता सुनिश्चित करने हेतु प्राथमिकता के आधार पर प्रत्येक जोन में 6-6 नग पानी के टेंकर तत्काल खरीदी करवाए जाने का आग्रह किया है। कृपाराम साहू ने अपने पत्र में लिखा है कि गर्मी का मौसम आरंभ हो जाने के बाद कोरबा निगम क्षेत्र के अनेक क्षेत्रो में पेयजल संकट उत्पन्न हो जाता है, जिससे आम नागरिकों की सुविधाओं का ध्यान रखते हुए निगम द्वारा टेंकर के माध्यम से जलापूर्ति सुनिश्चित की जाती है। इसी प्रकार अब बड़े पैमाने पर शादी-व्याह आदि अथवा अन्य सामाजिक कार्यक्रमों के आयोजनों हेतु आम नागकिों के द्वारा पानी की आपूर्ति की मांग निगम से की जाती है। निगम के पास पहले से ही टेंकरों की कमी है और पुराने कंडम हो चुके टेंकरों की वजह से सभी की जरूरत के हिसाब से पानी की आपूर्ति किया जाना संभव नहीं हो पाता है।

गेवरा, दीपका, कुसमुंडा और कोरबा क्षेत्र के खदानों में कोयला उत्खनन व डिस्पैच कार्य पड़ा ठप

पहली बार एसईसीएल के चारों एरिया में किया गया खदानबंदी आंदोलन

खदान में प्रदर्शन करते भूविस्थापित।

एसईसीएल मुख्यालय के सामने प्रदर्शन करते युवा।

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

जिले में संचालित एसईसीएल की कोयला खदानों से प्रभावित भूविस्थापितों ने अपनी मांगों को लेकर खदान बंद आंदोलन किया। पहली बार भूविस्थापितों ने सभी खदानों में एक साथ हड़ताल कर एसईसीएल प्रबंधन के खिलाफ अपना आक्रोश जताया। भूविस्थापितों के आंदोलन से एसईसीएल के गेवरा, दीपका, कुसमुंडा व सराईपाली खदान में कोयला उत्खनन कार्य बाधित हो गया। वहीं डिस्पैच कार्य पूरी तरह ठप पड़ गया। सभी एरिया में एक साथ हड़ताल किए जाने से प्रबंधन के आला अधिकारियों के हाथ पांव फुलने लगे और आनन-फानन में भूविस्थापितों के साथ वार्ता आयोजित कर समस्याओं के निराकरण का आश्वासन दिया गया, जिसके बाद आंदोलन स्थिगित किया गया।

खास बात

- सुबह से ही भूविस्थापितों ने अलग-अलग फेस में शुरू किया धरना प्रदर्शन, जताया विरोध

एसईसीएल की कोयला खदानों में भू-विस्थापितों ने पहली बार एकजुट होकर ऐतिहासिक बंद का आह्वान किया। इस आंदोलन से कुसमुंडा, दीपका, गेवरा और कोरबा क्षेत्र की खदानों में कोयला उत्पादन, मिट्टी उत्खनन और परिवहन कार्य ठप कर दिया गया। भूविस्थापितों ने उचित मुआवजा, विस्थापितों के पुनर्वास व रोजगार की मांग को लेकर बुधवार की सुबह खदानों में उतरकर कोयला उत्पादन, मिट्‌टी उत्खनन और परिवहन कार्य में लगी वाहनों को रोक कर बंद करा दिया। भूविस्थापितों ने कुसमुंडा क्षेत्र में सुबह 6 बजे से तो दीपका गेवरा क्षेत्र की खदानों में 8 बजे से आंदोलन शुरू कर दिया था। कुसमुंडा क्षेत्र के पाली, पडनिया, रिसदी, जटराज, खोडरी, गेवरा बस्ती सहित अन्य गांव के ग्रामीण इकट्ठा होकर खदानों में उतरे और धरना प्रदर्शन शुरू कर दिया। भूविस्थापितों ने भिलाई बाजार के मुहाने को बंद करा दिया। वहीं दूसरी ओर गेवरा खदान के नरईबोध, रलिया, आमगांव फेस को भी बंद करा दिया गया। इसी तरह एसईसीएल कोरबा क्षेत्र के सराईपाली परियोजना में भी सुबह से ही धरना प्रदर्शन कर कोयला उत्पादन और परिवहन कार्य पूरी तरह ठप कर दिया गया। इसके अलावा दीपका क्षेत्र के आमगांव, दर्रा खांचा, मलगांव और सुवाभोंडी फेस के खदान को पूरी तरह से बंद कर दिया गया है। भूविस्थापितों के द्वारा पहली बार एसईसीएल के सभी खदानों में एक साथ खदान बंदी आंदोलन किया गया। इस दौरान कुसमुंडा के सभी आउटसोर्सिंग कम्पनी के कर्मचारी ठेका कामगारों ने भी आंदोलन का समर्थन में अपने ड्यूटी का बहिष्कार कर गाड़ियों को खड़ा कर दिया।

जीएम की निकाली शव यात्रा

विभिन्न तरीकों से नारेबाजी करते हुए भूवस्थापितों ने जंगी प्रदर्शन करते हुए कुसमुंडा महाप्रबंधक राजीव सिंह की शव यात्रा भी निकाली। भूविस्थापितों ने अंतिम यात्रा व संस्कार विधि के लिए मुंडन भी कराया। नारेबाजी करने के साथ-साथ यह शव यात्रा बीच चौराहे पर पहुंची जहां पुतला दहन किया गया। दरअसल एसईसीएल प्रबंधन के अड़ियल रवैये से भूविस्थापितों में आक्रोश बढ़ाता जा रहा है।

क्षेत्रीय स्तर के बाद मुख्यालय में होगी बैठक

भूविस्थापितों के उग्र आंदोलन को देखते हुए एसईसीएल के अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक सहित सभी बोर्ड मेम्बर के साथ 22 अप्रैल को एक उच्च स्तरीय बैठक एसईसीएल मुख्यालय आयोजित की जाएगी। हालांकि उससे पहले क्षेत्रीय स्तर पर भी बैठक आयोजित की जाएगी। उक्त बैठक में भूविस्थापितों की सभी समस्याओं पर विचार-विमर्श किया जाएगा और प्रबंधन के द्वारा उनकी मांगों का समाधान निकाल जाएगा।

विद्युत संयंत्रों पर भी पड़ सकता है असर

इस बंद से एसईसीएल की कोयला आपूर्ति और उत्पादन पर तात्कालिक असर पड़ा है, जिसका प्रभाव क्षेत्रीय बिजली संयंत्रों और अन्य उद्योगों पर भी पड़ सकता है। भू-विस्थापितों का यह आंदोलन न केवल उनकी एकजुटता को दर्शाता है, बल्कि कोयला उद्योग में सामाजिक और भू-विस्थापितों से जुड़े मुद्दों पर गंभीर चर्चा की आवश्यकता को भी रेखांकित करता है।

शेयर मार्केट में रकम लगाने के नाम पर 13 लाख की ठगी, मामला दर्ज

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

जिले के दीपका थाने में धोखाधड़ी के तीन अलग अलग मामले दर्ज हुए हैं जिसमें एक ने शेयर मार्केट में रकम लगाने के नाम में ठगी की गई है जबकि दो अन्य मामलों में खाताधारकों के बैंक खाते से किसी ने रकम आहरण कर ठगी की वारदात को अंजाम दिया है।

खास बात

- दीपका थाना में ठगी के तीन अलग-अलग मामले दर्ज

दीपका थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम तिवरता निवासी चन्द्रपाल बघेल उम्र 56 वर्ष पिता स्व. फिरतु राम बघेल ने थाने में रिपोर्ट लिखाई है कि वह पी.सी.सी.पी.एल. में काम करता है तथा दो माह पूर्व उसे क्रुति जेटा नामक महिला के मोबाइल से वाट्सएप मैसेज आया जिसमें चंद्रपाल को सिक्यूरीटी ट्रान्सजेक्शन के माध्यम से अधिक लाभ कमाने का प्रलोभन दिया गया और चंद्रपाल को स्टॉक मैक्स नामक ऐप डाउनलोड करने को कहा गया। जिस पर चंद्रपाल ने ऐप डाउनलोड किया उसके बाद रिचार्ज करने के लिए रवि अग्रवाल के माध्यम से रिचार्ज करने को बोला गया। तब चंद्रपाल के द्वारा 50 हजार रुपए रवि अग्रवाल के खाते में जमा किया गया जिसके बाद विभिन्न किश्तों में रवि अग्रवाल द्वारा स्टॉक लेने के लिए क्रेडिट लिमिट बढ़ाने के बहाने चंद्रपाल बघेल से कुल 12 लाख 80 हजार 5 सौ रुपए अपने खाते में जमा कराकर ठगी की वारदात को अंजाम दिया गया है। प्रार्थी चंद्रपाल की रिपोर्ट पर पुलिस ने रवि अग्रवाल के विरुद्ध अपराध पंजीबद्ध कर उसकी खोजबीन शुरु कर दी है। इसी तरह ठगी की दूसरी घटना भी दीपका थाना क्षेत्र में ही घटित हुई है। आवास क्रमांक एमक्यू 1816 प्रगतिनगर दीपका निवासी श्रीमती गीता राठौर ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि उसके द्वारा भारतीय स्टेट बैक गेवरा शाखा में संचालित बैंक खाते से 10 से 13 फरवरी के बीच कुल 41 हजार 670 रूपये किसी व्यक्ति के द्वारा निकाल लिया गया है। प्रार्थिया की शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात आरोपी के विरुद्ध अपराध पंजीबद्ध कर लिया है। ठगी की तीसरी घटना भी दीपका थाना क्षेत्र में घटित हुआ है। आवास क्रमांक एमक्यू-1389 प्रगति नगर दीपका निवासी कमलेश चंद्रा पति चित्रभान सिंह ने थाने में रिपोर्ट लिखाई है कि उसके द्वारा भारतीय स्टेट बैक गेवरा शाखा में संचालित बैंक खाते से 6 से 12 फरवरी के बीच कुल 44 हजार 990 रूपये किसी व्यक्ति के द्वारा निकाल लिया गया है। प्रार्थी की शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात आरोपी के विरुद्ध अपराध पंजीबद्ध कर लिया है।

अवैध शराब के खिलाफ मुहीम 171 लीटर महुआ शराब जप्त

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

जिला पुलिस द्वारा लगातार अवैध शराब के खिलाफ मुहीम चलाई जा रही है। इस कड़ी में विभिन्न थाना चौकी पुलिस द्वारा 171 लीटर कच्ची महुआ शराब जप्त कर आबकारी अधिनियम के तहत कार्यवाही की गई है।

पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ तिवारी के निर्देशन में जिले में अवैध शराब, मादक पदार्थो एवं अन्य प्रतिबंधित वस्तुओं के विरुद्ध लगातार विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में सघन चेकिंग एवं कार्रवाई करते हुए अवैध शराब के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही की गई। जिसमें बालकोनगर पुलिस द्वारा लालघाट क्षेत्र में वाहन चेकिंग के दौरान एक संदिग्ध डस्टर वाहन को रोककर तलाशी ली गई। जांच के दौरान परसाभाठा वाहन चालक सरोज पांडे उम्र 23 वर्ष पिता सूरज पांडे के कब्जे से कुल 80 लीटर कच्ची महुआ शराब बरामद की गई, जिसे अवैध रूप से परिवहन किया जा रहा था। इसी तरह दीपक पुलिस द्वारा अंडीकछार निवासी फूल सिंह धनवार से 20 लीटर महुआ शराब, विजय धनवार से 3 लीटर महुआ शराब, सुरेश रामदास 3 लीटर महुआ शराब जप्त किया गया है। करतला पुलिस द्वारा नवाडीह सेंदीपाली त्रिभुवन कुमार के कब्जे से 4.5 लीटर कच्ची महुआ शराब जप्त किया गया है। वहीं उरगा पुलिस द्वारा गुमियाभांठा निवासी मनोज कुमार धनवार के कब्जे से 25 लीटर कच्ची महुआ शराब तो दर्री पुलिस द्वारा नवागांव दर्री निवासी नारायण शाह के कब्जे से 35 लीटर कच्ची महुआ शराब एवं अयोध्यापुरी पावर सिटी दर्री निवासी विजय जायसवाल के कब्जे से 6 पाव देसी मदिरा शराब जप्त किया गया है।

माइक्रो फायनेंस कंपनी की जकड़ में आ रहे हैं एनआरएलएम के महिला समूह

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

गांव गांव में माइक्रो फायनेंस कंपनियों के फैले जाल में जिला पंचायत के एनआरएलएम शाखा के महिला समूह भी चपेट में आ गए हैं।

खास बातें

- व्यक्तिगत तथा तीन सदस्यों को एक साथ देते हैं रोजगार के लिए लोन
- एनआरएलएम के अंतर्गत 12 हजार से अधिक स्व सहायता समूह हैं पंजीकृत

जिला पंचायत द्वारा किराये गए जांच के दौरान यह जानकारी सामने आई थी कि 2 हजार से अधिक समूह ऐसे हैं जिनके एक सदस्य ने व्यक्तिगत लोन लिया है या तीन सदस्यों के समूह ने एक साथ लोन लिया है।

राज्य शासन की एनआरएलएम योजना अंतर्गत महिला समूहों का गठन कर उन्हें स्वरोजगार के लिए जिला पंचायत में ही आवासीय प्रशिक्षण दिया जाता है जिसके लिए महिला समूहों का गठन किया जाता है। एनआरएलएम की इस योजना अंतर्गत जिले में 12 हजार से अधिक महिला स्व सहायता समूहों का गठन कर उन्हें प्रशिक्षण उपलब्ध कराकर स्वरोजगार के लिए लीड बैंक के माध्यम से छोटे छोटे ऋण की सुविधा दिलाई गई थी जिसमें कुछ महिला समूहों के द्वारा विहान योजना अंतर्गत स्वरोजगार उपलब्ध कराए गए और सफल भी रहे किंतु इन्हीं समूहों में कई ऐसे समूह हैं जो छोटे छोटे ऋण देने वाले माइक्रो फायनेंस के जाल में फंस गए। इनमें ऐसे समूह भी शामिल थे जिन्होंने एनआरएलएम शाखा में अपना पंजीयन तो कराया था किंतु रोजगार शुरु नहीं कर सके थे। ऐसे समूहों का माइक्रो फायनेंस कंपनी के एजेंटों को संपर्क कर उन्हें अपने चपेट में ले लिया। जब यह जानकारी जिला पंचायत तक पहुंची तो सभी विकासखंड मुख्यालय से इसकी जांच कराई। यह जानकारी सामने आई कि 2 हजार से अधिक महिला समूहों के सदस्य माइक्रो फायनेंस कंपनी से किसी न किसी तरह से ऋण लिए हैं।

एनआरएलएम के तहत भले ही महिला समूहों का गठन कर दिया गया है, पर महिला समूहों के सदस्यों के द्वारा जब बैंकों से लोन लेने का प्रयास किया जाता है तो उनकी तमाम तरह की शर्तों का पालन करने में लगने वाली प्रक्रिया को देखते हुए महिला समूहों के सदस्यों का रुझान सरकार के बैंकों से हटकर प्रायवेट माइक्रो फायनेंस कंपनी की ओर चला जाता है।

ऐसे थी लोन देने की योजना

माइक्रो फायनेंस कंपनी के द्वारा महिला समूह के सदस्यों को दो तरह की प्रक्रिया से लोन दिया जाता था। जिसमें पहली प्रक्रिया में व्यक्तिगत लोन दिया जाता है और दूसरी प्रक्रिया में समूह के तीन सदस्यों का संयुक्त समूह बनाकर लोन दिया जाता था। जिसकी सीमा 50 हजार से 1 लाख रुपए होती थी। इन दो तरह की लोन देने की प्रक्रिया में जो 2 हजार समूह हैं उनके सदस्य या तो व्यक्तिगत लोन लिए है या संयुक्त समूह बनाकर लोन लिए हैं लेकिन रिपोर्ट में यह जानकारी आई थी कि माइक्रो फायनेंस की चपेट में एनआरएलएम के समूह भी आ गए हैं।

ब्लॉकों से रिपोर्ट ली गई है

माइक्रो फायनेंस कंपनी से ऋण लेने वाले एनआरएलएम से गठित महिला समूहों की जानकारी ली गई है तो उसमें 2 हजार से अधिक समूह ऐसे हैं जिनका कोई न कोई सदस्य किसी न किसी तरह माइक्रो फायनेंस कंपनी से ऋण लिया है जिनमें से कुछ ने ऋण की किश्त पटा भी दी है और कुछ अभी भी जमा कर रहे हैं।

चिराग ठक्कर, कोऑर्डिनेटर, एनआरएलएम शाखा

सड़क हादसे में युवक की मौत

कोरबा। पाली थाना क्षेत्र अंतर्गत सरईपाली निवासी रामेश्वर मरपच्ची उम्र 19 वर्ष पिता रामदयाल मरपच्ची अपने दोस्त शिवराज के मोटर सायकल क्रमांक सीजी 12 एके 1085 में बैठकर बिजली का काम करने उछलापारा गये थे। दोपहर लगभग 2 बजे रामेश्वर मरपच्ची अपने दोस्त शिवराज से मोटर सायकल को मांग कर दीर्घशंका के लिए तालाब निकला था। इसी दौरान सैला मेन रोड के पास अज्ञात सफेद रंग का कार चालक के द्वारा तेजी एवं लापरवाहीपूर्वक चलाकर एक्सीडेंट कर दिया जिससे रामेश्वर मरपच्ची के सिर, मुंह, नाक, दांए हाथ में गंभीर चोंट लगा। ईलाज हेतु सीएचसी लाया गया जहां चिकित्सकों ने परीक्षण उपरांत मृत घोषित कर दिया।

सतरेंगा में डूबने से युवक की मौत

कोरबा। सतरेंगा में पानी में डूबने से अंकित खत्री 24 वर्ष की असामयिक मृत्यु हो गई। घटना मंगलवार को हुई। अंकित की असामयिक मृत्यु से कोरबा की पंजाबी बिरादरी सहित नगर के समस्त नागरिकों में गहरा दुःख व्याप्त है।

हरिभूमि नं.1 आवश्यक सूचना

प्रिय ग्राहक बंधुओं आपका अपना प्रिय अखबार हरिभूमि के स्थान पर अगर कोई अन्य अखबार दिया जा रहा है तो कृपया इस नंबर पर संपर्क करें

टी.पी. नगर बी. ब्लॉक कामर्शियल काम्पलेक्स, कोरबा मो. 7049267780

श्रीमद् भागवत कथा स्वयं की वास्तविकता को सिखाती है : आचार्य नारायण

हरिभूमि न्यूज ⏭ पाली

व्यासपीठ से कथा सुनाते आचार्य व जीवंत झांकी।

श्रीमद् भागवत कथा सुनने से आध्यात्मिक विकास और भगवान के प्रति भक्ति गहरी होती है। श्रीमद् भागवत कथा स्वयं की प्रकृति और परम वास्तविकता के बारे में सिखाती है। उक्त विचार आचार्य पंडित नारायाण महाराज ने नगर पंचायत पाली के वार्ड क्रमांक 8 में आयोजित भागवत कथा ज्ञान यज्ञ कथा में व्यक्त किए। भागवत कथा ज्ञान यज्ञ का सहस्त्र धारा, हवन, पूर्णाहुति और भंडारा के साथ यह साप्ताहिक आयोजन का श्रद्धा भक्ति के साथ समापन हो गया।

नगर पंचायत के वार्ड क्रमांक 8 में मुख्य यजमान श्रीमती लक्ष्मी गोविंद वैष्णव के निवास में 8 से 15 अप्रैल तक श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ का आयोजन किया गया। श्री नारायण महराज ने कहा कि इसके श्रवण मात्र से पापियों के पाप धुल जाते हैं और उसे मोक्ष की प्राप्ति होती है। उन्होंने कहा कि मोह का क्षय होना ही मोक्ष है। हम रिश्ते नाते और धनार्जन के बीच मोह माया में फंसे रहते हैं और ईश्वर भक्ति से विरक्त होते हैं.इसी मोह माया जाल से मुक्त होना ईश्वर की प्राप्ति की प्रथम सीढ़ी है। श्रीमद भागवत कथा सभी वेदों का सार है। इसे सुनने से मनुष्य तृप्त होता है और जन्म जन्मांतर के पाप से मुक्त हो जाता है। साथ ही कथा सुनने या किसी भी शुभ काम को करवाने या करने के पीछे का उद्देश्य परम लक्ष्य की प्राप्ति ही होता है। श्रीमद् भागवत कथा सुनने से आध्यात्मिक विकास और भगवान के प्रति भक्ति गहरी होती है। श्रीमद् भागवत कथा स्वयं की प्रकृति और परम वास्तविकता के बारे में सिखाती है। 8 अप्रैल को दोपहर तपती धूप में भव्य कलश यात्रा के साथ श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ के शुभारंभ अवसर पर नगरवासी माता बहनों का उत्साह देखते ही बन रहा था। वही कथा के पांचवें दिवस श्रोताओं ने श्रीमद् भागवत कथा मे रुक्मणी विवाह के सजीव प्रसंग का देर रात तक आनंद उठाया। प्रतिदिन कथा श्रवण के लिए बड़ी संख्या में नगर और आसपास के भागवत भक्ति पंडाल में पहुंचे। कथा के अंतिम दिवस कथा व्यास ने भक्त श्रोताओ से दक्षिणा के रूप में 7 संकल्प पूर्ण करने की शपथ दिलाई। जिसमें सनातन धर्म की रक्षा, बच्चों को संस्कार वान बनाने, मदिरा मांसाहार का त्याग करने प्रमुख है। कथा के समापन अवसर पर पूर्णाहुति, हवन, सहस्त्र धारा, तुलसी वर्षा,गीता सहित भोग भंडारा का आयोजन हुआ।